

काशी हिन्दू
विश्वविद्यालय



BANARAS HINDU
UNIVERSITY

An Institution of National Importance Established by The BANARAS HINDU UNIVERSITY ACT XVI of 1915



One-Day Workshop on Shaping the Change through Leadership

15 September 2015

Organized jointly by

प्रबन्ध शास्त्र संकाय
Faculty of Management Studies
विश्वविद्यालय स्थानन समन्वय प्रकोष्ठ
University Placement Coordination Cell

&

विश्वविद्यालय सेवायोजन सूचना एवं मंत्रणा केन्द्र
University Employment Information & Guidance Bureau

“Shaping the Change Through Leadership”

(Workshop – September 15, 2015)

A one day workshop on “Shaping the Change through Leadership” was organized on 15 September, 2015 at Faculty of Management Studies, Banaras Hindu University. It was a joint initiative of **Faculty of Management Studies, University Placement Coordination Cell and University Employment Information & Guidance Bureau.**

“Leaders become great. Not because of their power, but because of their ability to influence and empower others.” As the needs of businesses and communities change, the dynamics and demands of leadership increases, there must be a corresponding adjustment in how leaders operate their businesses, mobilize community resources, build community capacity and interact with staff. With globalization, technological innovation and the growing number of linkages among people activities and event, today’s pace of change is relentless. The people of the world mix and mingle as never before, forging new partnership and creating more culturally diverse workplaces. Increasingly, groups of companies collaborate to investigate new opportunities and exploit new markets. Technology brings new surprises every day, some that can shake up entire industries in a matter of months. With the internet and the rise of social media, consumers, media and other stakeholders have gained incredible power, which they readily use to reward or punish companies often at lightning speed. In these volatile, uncertain and often controversial times, effective leadership is critical.

It is thus the need of the hour to train our youngsters on the concept and dynamics of leadership and change.

Illustrative Sub-Themes of the Workshop:

- Grooming the Gen Y Leaders
- Role of Leadership in managing change
- Diversity: A Competitive Advantage
- Translating Organizational Commitment in to Personal Growth
- Multifarious workforce challenges and Opportunities
- Organizational Agility in a dynamic and digital era.
- Shift from communicating to connecting.

View Pictures of [Workshop on “Shaping the Change through Leadership”](#)

व्यक्तित्व में छिपी सफलता की कुंजी



प्रबंध शास्त्र संकाय में आयोजित कार्यशाला में छात्र-छात्राओं को टिप्स देते दिव्य जोशी।

अमर उजाला

बीएचयू

- बीएचयू के प्रबंध शास्त्र संकाय में 'शेपिंग द चेंज थ्रू लीडरशिप' पर कार्यशाला
- सफलता हासिल करने के लिए आत्मविश्वास जगाएं क्षमताओं को सही दिशा में करें केंद्रित
- उद्देश्य और जिम्मेदारी के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी

वाराणसी (ब्यूरो)। बीएचयू में मंगलवार को भावी प्रबंधकों को नेतृत्व और व्यक्तित्व निखारने की कला सिखाई गई। युवाओं को बताया गया कि अपनी क्षमताओं का सही इस्तेमाल कर वे कैसे सफल हो सकते हैं। चुनौतियों से निबटने के लिए आत्मविश्वास को बनाए रखना कितना अहम है, यह बताया गया। कुल मिलाकर योग्य प्रबंधक में क्या गुण होने चाहिए, इस पर फोकस किया गया।

अवसर था, प्रबंध शास्त्र संकाय में प्लेसमेंट एंड कोआर्डिनेशन सेल

की ओर से आयोजित कार्यशाला 'शेपिंग द चेंज थ्रू लीडरशिप' का। पोलारिस इंडिया के जीएम एवं अध्यक्ष पंकज दुबे ने कहा कि आप अपनी क्षमताओं को सही दिशा में केंद्रित करें तो न सिर्फ सफल होंगे बल्कि राष्ट्र निर्माण में सहयोग दे सकेंगे। कहा कि कारपोरेट युग में प्रबंधन ही नहीं नेतृत्व क्षमता भी जरूरी है। खुद को क्षमतावान बनाने के लिए आत्मविश्वास बनाए रखना जरूरी है।

वोडाफोन के सेल्स रिलेशनशिप मैनेजर दिव्य जोशी ने कहा कि

जीवन में बदलाव लाने के लिए नेतृत्व की भूमिका बेहद अहम है। इस कौशल से हम किसी संस्थान को ऊंचाई पर ले जा सकते हैं। कहा कि अपने उद्देश्य व जिम्मेदारी के बीच संतुलन बनाना चाहिए। स्वागत संकाय प्रमुख प्रो. आरके पांडेय ने किया। प्लसमेंट सेल के चेयरमैन प्रो. एचपी माथुर ने नेतृत्व का महत्व समझाया। संचालन पल्लवी ठक्कर, धन्यवाद ज्ञापन स्तुति पांडेय ने किया। कार्यक्रम में प्रो. एसके सिंह, प्रो. शशि श्रीवास्तव, प्रो. आशुतोष मोहन आदि थे।

प्रतिद्वंद्वियों से बेहतर बनाना होगा उत्पाद

◆ प्रबंध संकाय में 'शेपिंग द चेंज थ्रू लीडरशिप' विषयक कार्यशाला

वाराणसी : पोलारिस इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक पंकज दुबे ने कहा कि किसी भी कंपनी का उद्देश्य अपने उत्पादों को अपने प्रतिद्वंद्वियों से बेहतर बनाना होना चाहिये। यह कंपनी की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। ऐसा करने से न सिर्फ कंपनी की छवि ग्राहकों में बेहतर बनती है बल्कि उन्हें अच्छी तरह संतुष्ट भी करती है।

श्री दुबे मंगलवार को बीएचयू स्थित प्रबंध शास्त्र संकाय में 'शेपिंग द चेंज थ्रू लीडरशिप' विषयक कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवाओं के योगदान से देश की अर्थव्यवस्था में सुधार लाया जा सकता



बीएचयू के प्रबंध शास्त्र संकाय में सेमिनार को संबोधित करते मुख्य अतिथि।

हैं। श्री दुबे ने छात्रों का मार्गदर्शन किया और

उन्हें प्रबंधन नीतियों एवं तकनीकियों के महत्व से अवगत कराया। प्लेसमेंट सेल के सहयोग से आयोजित कार्यशाला के प्रथम सत्र में वोडाफोन के सेल्स रिलेशनशिप मैनेजर दिव्य जोशी ने संस्थान के लिये प्रतिबद्धता को स्वयं के विकास में परिवर्तित करने तथा जीवन में बदलाव लाने में नेतृत्व की भूमिका का महत्व बताया। प्लेसमेंट सेल के प्रो. एचपी माथुर ने छात्रों को नेतृत्व के महत्व से अवगत कराया। स्वागत प्रबंध संकाय प्रमुख प्रो. आरके पांडेय ने किया। संचालन पल्लवी ठक्कर एवं धन्यवाद ज्ञापन स्तुति पांडेय ने किया। कार्यक्रम में पूर्व संकाय प्रमुख प्रो. एसके सिंह, प्रो. शशि श्रीवास्तव, प्रो. आशुतोष मोहन व दयाराम आदि मौजूद थे।

लक्ष्य को पाने के लिए कड़ी मेहनत जरूरी

वाराणसी (ब्यूरो)। पूर्व विद्यार्थियों ने छात्र-छात्राओं का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि लक्ष्य को पाने के लिए समर्पण और कड़ी मेहनत जरूरी है। संकुल समिति की ओर से शनिवार को बीएचयू के प्रबंध संकाय में रजत जयंती एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें 1990 बैच के विद्यार्थियों ने छात्र-छात्राओं से अपने अनुभवों को साझा किया।

पुरातन छात्रों ने कहा कि जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। कठिन परिस्थिति का सामना साहस और धैर्य के साथ करना चाहिए। इस दौरान मनोज कुमार पांडेय ने छात्रों को स्मार्ट वर्क की महत्ता बताया। रोहित कुमार ने कहा कि मेहनत से पढ़ाई करें तो सफलता आपके

बोले पुरातन छात्र

- बीएचयू के प्रबंध संकाय में रजत जयंती समारोह
- छात्र-छात्राओं से अपने अनुभवों को किया साझा

कदम चूमेगी। जीवन में आगे बढ़ने के लिए सहयोग जरूरी है। समारोह की शुरुआत प्रबंध शास्त्र संकाय के डीन प्रो. राजकुमार ने की। संचालन श्रुति थपलियाल एवं एकता ने किया। इस दौरान अमरं लाहिरी, अनिल कुमार, हर्षिता सिन्हा, संदीप साहनी, नीरज नागपाल, प्रो एचसी चौधरी, प्रो. दीपक बर्मन, प्रो. एसके सिंह मौजूद थे।

जनसंदेश लाइम्स

लीडरशिप के साथ बदलाव की पहल

वाराणसी। बीएचयू प्रबंधशास्त्र संकाय की ओर से मंगलवार को प्लेसमेंट सेल में 'द चेंज थ्रू लीडरशीप' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्लेसमेंट सेल के सहयोग से आयोजित कार्यशाला में पोलारिस इंडिया के एमडी एवं अध्यक्ष पंकज दूबे ने प्रबंधन के क्षेत्र में छात्रों का मार्ग दर्शन किया। इस दौरान उन्होंने प्रबंधन की नीतियों और बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि अगर हम अपनी क्षमताओं को सही दिशा में केंद्रित करें तो देश की अर्थव्यवस्था में सुधार किया जा सकता है। किसी भी कंपनी का उद्देश्य अपने उत्पादों को अपने प्रतियोगियों से बेहतर बनाना होना चाहिए। लीडरशीप को लेकर उन्होंने महात्मागांधी और नेल्सन मंडेला से लेकर विल गेट और दुनिया के अन्य उद्यमियों को उनके लीडरशीप में मिलने वाली उपस्थितियों के पीछे उनकी रणनीति की जानकारी दी। इसके पूर्व सत्र में वोडाफोन के सेल्स रिलेशनशिप मैनेजर दिव्य जोशी ने व्यवसाय क्षेत्र में बदलाव की आवश्यकता को उदाहरण के साथ समझाया। उन्होंने संस्थान के लिए प्रतिबद्धता को स्वयं के विकास में परिवर्तित करने तथा जीवन में बदलाव लाने में नेतृत्व की भूमिका का महत्व बताया। इस कार्यक्रम के आरंभ में प्रबंधशास्त्र संकाय के हेड और डीन प्रो. आरके पांडेय और प्रो.एचपी माथुर ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन पल्लुवी ठक्कर और धन्यवाद ज्ञापन स्तुति पांडेय ने किया। इस दौरान पूर्व डीन प्रो.एसके सिंह, प्रो.शशी श्रीवास्तव, प्रो.आशुतोष मोहन और दयाराम सहित बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

क्षमताओं को सही दिशा दें युवा

वाराणसी (एसएनबी)। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रबन्ध शास्त्र संकाय में शेपिंग द चेंज थ्रू लीडरशिप विषय पर प्लेसमेंट सेल के सहयोग से कार्यशाला मंगलवार को संपन्न हुई। पोलारिस इण्डिया के एमडी एवं अध्यक्ष श्री पंकज दुबे ने प्रबन्धन के क्षेत्र में छात्रों का मार्ग

दर्शन किया। श्री दुबे ने प्रबन्धन नीतियों एवं तकनीकी के महत्व से छात्रों को अवगत कराया। कहा कि किसी भी कम्पनी का उद्देश्य अपने उत्पादों को अपने प्रतियोगियों से बेहतर बनाना होना चाहिये। उन्होंने महात्मा गांधी एवं नेल्सन मण्डेला जैसे महान व्यक्तियों का उदाहरण देते हुए युवा वर्ग को देश के

निर्माण में सहयोग के लिये प्रोत्साहित किया। श्री दुबे ने कहा कि युवाओं के योगदान से देश की अर्थव्यवस्था में सुधार लाया जा सकता है। अगर हम अपनी क्षमताओं को सही दिशा में केन्द्रित करें। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में वीडियो के सेल्स

बीएचयू में शेपिंग द चेंज थ्रू लीडरशिप विषयक कार्यशाला

रिलेशनशिप मैनेजर दिव्य जोशी ने व्यवसाय क्षेत्र में बदलाव लाने की आवश्यकता पर जोर डाला। जोशी ने संस्थान के लिये प्रतिबद्धता को स्वयं के विकास में परिवर्तित करने तथा जीवन में बदलाव लाने में नेतृत्व की भूमिका का महत्व बताया। जोशी के अनुसार हमें अपने उद्देश्य एवं जिम्मेदारी के बीच संतुलन बनाकर रखना

चाहिये। स्वागत प्रो. आरके पाण्डेय डीन, एफएमएस बीएचयू ने किया। प्लेसमेंट सेल के प्रो. एचपी माथुर ने छात्रों को नेतृत्व के महत्व से अवगत कराया।

डा. अनुराधा बनी प्रशासनिक संरक्षिका

वाराणसी (एसएनबी)। सामाजिक विज्ञान संकाय, इतिहास विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डा. अनुराधा सिंह को बीएचयू के नवीन गर्ल्स हास्टल का प्रशासनिक संरक्षिका नियुक्त किया गया है। इनका कार्यकाल तीन वर्ष का होगा। इसके पूर्व डा. अनुराधा सिंह नवीन गर्ल्स हास्टल की संरक्षिका थीं।

आज

वाराणसी, १६ सितम्बर, २०१५

प्रबन्धन नीतियों एवं तकनीक से अवगत हुए भावी प्रबन्धक

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रबन्ध शास्त्र संकाय में शोपिंग मंगलवार को आयोजित शोपिंग द चेंज थ्रू लीडरशिप विषयक कार्याशाला में पोलारिस इण्डिया के प्रबन्धनिदेशक एवं अध्यक्ष पंकज दुबे ने प्रबन्धन के क्षेत्र में छात्रों का मार्ग दर्शन करते हुए प्रबन्धन नीतियों एवं तकनीकियों के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि किसी भी कम्पनी का उद्देश्य अपने उत्पादों को अपने प्रतियोगियों से बेहतर होना

चाहिये। श्री दूबे ने महात्मा गांधी एवं नेल्सन मण्डेला जैसे महान व्यक्तियों का उदाहरण देते हुए युवा वर्ग को देश के निर्माण में सहयोग के लिये प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि युवाओं के योगदान से देश की अर्थव्यवस्था में सुधार लाया जा सकता है। अगर हम अपनी क्षमताओं को सही दिशा में केन्द्रित करें। वोडाफोन के सेल्स रिलेशशिप मैनेजर दिव्य जोशी ने कहा कि व्यवसाय क्षेत्र में बदलाव लाने की

आवश्यकता है। श्री जोशी ने संस्थान के लिये प्रतिबद्धता को स्वयं के विकास में परिवर्तित करने तथा जीवन में बदलाव लाने की आवश्यकता है। श्री जोशी ने संस्थान के लिये प्रतिबद्धता को स्वयं के विकास में परिवर्तित करने तथा जीवन में बदलाव लाने में नेतृत्व की भूमिका का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि हमें अपने उद्देश्य एवं जिम्मेदारी के बीच संतुलन बनाकर रखना चाहिये। कार्यक्रम की शुरुआत प्रो० आर०के०

पाण्डेय डीन, एफ.एम.एस. बीएचयू के स्वागत भाषण से हुई। प्लसमेंट सेल के प्रोफेसर एच०पी० माथुर ने छात्रों को नेतृत्व के महत्व से अवगत कराया। अतिथियों का स्वागत संकाय प्रमुख प्रोफेसर आर के पाण्डेय ने संचालन पल्लवी ठक्कर ने एवं धन्यवाद ज्ञापन स्तुति पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम में प्रोफेसर एस.के० सिंह प्रोफेसर शशि श्रीवास्तव, प्रोफेसर आशुतोष मोहन एवं दयाराम उपस्थित थे।

TIMES CITY

THE TIMES OF INDIA, VARANASI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 16, 2015

Workshop: An interactive workshop on 'Shaping the Change through Leadership' was held at faculty of Management Studies, BHU, in association with University Placement Coordination Cell on Tuesday.